एम0 ए0 हिंदी द्वितीय सेमेस्टर
प्रथम प्रश्नपत्र
सामान्य भाषाविज्ञान
कोड - HNM-2001

क्रेडिट-04 **पूर्णांक-100**
Sessionals : 30
End-Sem. Exam. of 2:30 hours duration : 70

इकाई 1 : भाषाविज्ञान : सामान्य परिचय

1.1 भाषाविज्ञान : परिभाषा और क्षेत्र
1.2 भाषाविज्ञान की अध्ययन-पद्धतियाँ (ऐतिहासिक, वर्णनात्मक, तुलनात्मक, संरचनात्मक एवं प्रायोगिक)
1.3 भाषा : परिभाषा, प्रकृति और स्वरूप
1.4 भाषा के विविध रूप : बोली, उपभाषा, भाषा, मानक भाषा
1.5 भाषा-परिवर्तन के कारक

इकाई 2 : स्वनिम विज्ञान

2.1 स्वन विज्ञान एवं स्वनिम विज्ञान : परिचय
2.2 ध्वनियंत्र-संरचना
2.3 हिन्दी ध्वनियों का वर्गीकरण
2.4 ध्वनि-परिवर्तन के कारण और दिशाएँ
2.5 रूपविज्ञान का सामान्य परिचय (अर्थतत्त्व और संबंधतत्त्व, संबंधतत्व के प्रकार, प्रत्यय)

CBCS-19

इकाई 3 : शब्द एवं वाक्य-विचार

3.1 शब्द : परिभाषा और भेद
3.2 शब्दसमूह : वर्गीकरण के आधार
3.3 शब्द और उसका अर्थ, अर्थविज्ञान की पद्धतियाँ
3.4 अर्थविकास की दिशाएँ और प्रमुख कारण
3.5 वाक्य : परिभाषा एवं अंग
3.6 वाक्य के भेद : विभिन्न आधार (वाक्य-विन्यास, भाव एवं अर्थ)

नोट : (i) इस प्रश्नपत्र में तीन खंड होंगे। प्रथम खंड में 05-05 अंक के चार लघूत्तरीय प्रश्न होंगे, जिनमें से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर देने होंगे। प्रत्येक प्रश्न के उत्तर की शब्द-सीमा 100-150 शब्द होगी। द्वितीय खंड में 10-10 अंक के चार प्रश्न पूछे जाएँगे, जिनमें से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर देने होंगे। प्रत्येक प्रश्न के उत्तर की शब्द-सीमा 200-250 शब्द होगी। तृतीय खंड में 15-15 अंक के तीन दीर्घ उत्तरीय प्रश्न होंगे, इनमें से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर देने होंगे।

2x5= 10; 3x10=30; 2 x 15 = 30; कुल= 70

(i) सेशनल के लिए 30 अंक निर्धारित हैं।

सहायक पुस्तकें

भाषाविज्ञान : सिद्धांत और प्रयोग	:	अंबाप्रसाद सुमन
भाषाशास्त्र की रूपरेखा	:	उदयनारायण तिवारी
आधुनिक भाषा विज्ञान	:	भोलानाथ तिवारी
हिन्दी शब्दानुशासन	:	किशोरीदास वाजपेयी

Dated : 17.01.19

भाषा का समाजशास्त्र	:	रवींद्रनाथ श्रीवास्तव
भाषाविज्ञान की भूमिका	:	देवेंद्रनाथ शर्मा
सामान्य भाषाविज्ञान	:	बाबूराम सक्सेना
भाषाविज्ञान कोश	:	भोलानाथ तिवारी
भाषा और भाषाविज्ञान	:	तेजपाल चौधरी
भाषाविज्ञान तथा हिंदी भाषा का वैज्ञानिक विश्लेषण	:	सीताराम झा 'श्याम'
भाषा एवं भाषाविज्ञान	:	महावीर सरन जैन
आधुनिक भाषाविज्ञान के सिद्धांत	:	रामकिशोर शर्मा
ऐतिहासिक भाषाविज्ञान और हिंदी भाषा	:	रामविलास शर्मा
भाषाविज्ञान एवं भाषाशास्त्र	:	कपिलदेव द्विवेदी
भाषाविज्ञान और मानक हिंदी	:	नरेश मिश्र

CBCS-19

Dated : 17.01.19

एम0 ए0 हिंदी द्वितीय सेमेस्टर
द्वितीय प्रश्नपत्र
हिंदी सगुण काव्य
कोड - HNM-2002

क्रेडिट-04 **पूर्णांक-100**
Sessionals : 30
End-Sem. Exam. of 2:30 hours duration : 70

CBCS-19

इकाई 1

1.1 सगुण भक्ति की अवधारणा
1.2 कृष्णभक्ति काव्य का दार्शनिक आधार
1.3 सूरदास का रचनालोक और काव्य-कला
1.4 सूरदास की भक्ति-पद्धति
1.5 सूरदास के बाल-वर्णन की विशेषताएँ
1.6 भ्रमरगीत काव्य-परंपरा और सूरदास
1.7 सूर के भ्रमरगीत का काव्य-सौंदर्य

इकाई 2

2.1 तुलसीदास का रचनालोक, काव्य-रूप तथा शैलियाँ
2.2 विनयपत्रिका : शिल्प-विधान, भक्ति-पद्धति, दार्शनिकता, काव्य-सौंदर्य
2.3 कवितावली : लोकपक्ष, कलियुग वर्णन, रस-योजना, काव्य-सौंदर्य
2.4 तुलसी के राम
2.5 तुलसी : काव्य-कला और हिंदी साहित्य में योगदान
2.6 सगुण भक्तिकाव्य का सांस्कृतिक महत्त्व

इकाई 3

व्याख्या के लिए निर्धारित पाठ

सूरदास : विनय; छंद 6, 10, 12, 48, 61, 63, 65, 84, 88, 91
बालकृष्ण; छंद 3, 22, 26, 27, 31, 36, 42, 49, 69, 104
भ्रमरगीत; छंद 3, 5, 7, 11, 12, 13, 18, 19, 20, 21, 22, 23, 24, 25, 28, 29, 31, 34, 36, 37, 38, 41, 45, 52, 57, 62, 64, 85, 89, 92

तुलसीदास : विनयपत्रिका : छंद 72, 73, 75, 76, 79, 81, 87, 88, 90, 91, 92, 95, 100, 102, 103, 105, 111, 113, 115, 116
कवितावली अयोध्याकाण्ड; छंद 11, 12, 17, 18, 19, 20, 21, 22, 23
सुंदरकाण्ड : छंद 3, 4, 5, 6, 7, 8, 10, 11, 12, 13
उत्तरकाण्ड : छंद 69, 72, 73, 96, 97, 99, 100, 106, 107, 108, 177

नोट : (i) इस प्रश्नपत्र में तीन खंड होंगे। प्रथम खंड में 05-05 अंक के चार लघूत्तरीय प्रश्न होंगे, जिनमें से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर देने होंगे। प्रत्येक प्रश्न के उत्तर की शब्द-सीमा लगभग 100-150 शब्द होगी। द्वितीय खंड में 10-10 अंक के चार अवतरण होंगे। इनमें से किन्हीं तीन की व्याख्या करनी होगी। तृतीय खंड में 15-15 अंक के तीन दीर्घ उत्तरीय प्रश्न होंगे, इनमें से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर देने होंगे।

2x5= 10; 3x10=30; 2 x 15 = 30; कुल= 70

(ii) सेशनल के लिए 30 अंक निर्धारित हैं।

पाठ्य पुस्तकें

सं. लाला भगवानदीन सूर पंचरत्न
सं. रामचंद्र शुक्ल भ्रमरगीत सार
सं. वियोगि हरि विनयपत्रिका
तुलसीदास-कवितावली

Dated : 17.01.19

सहायक पुस्तकें

वैष्णव पर्व	: सुवीरा जायसवाल
भक्ति साहित्य में सामाजिक सांस्कृतिक चेतना	: प्रेमशंकर
मध्यकालीन धर्म-साधना	: हजारीप्रसाद द्विवेदी
भक्तिकाव्य : प्रासंगिक प्रश्न	: रमेश शर्मा
हिंदी भक्ति-साहित्य में लोक-तत्त्व	: रवींद्र भ्रमर
आगम और तुलसी	: राममूर्ति त्रिपाठी
तुलसी काव्य की अरबी-फ़ारसी शब्दावली : एक सांस्कृतिक अध्ययन	: शैलेश ज़ैदी
तुलसी-काव्य-मीमांसा	: उदयभानु सिंह
तुलसी : आधुनिक वातायन से	: रमेशकुंतल मेघ (सं0)
विनयपत्रिका	: योगेंद्रप्रताप सिंह
तुलसीदास और उनका युग	: राजपति दीक्षित
तुलसी-दर्शन	: बलदेवप्रसाद मिश्र
सूरदास	: रामचंद्र शुक्ल
सूर-साहित्य	: हजारीप्रसाद द्विवेदी
महाकवि सूरदास	: नंददुलारे वाजपेयी
सूरदास	: ब्रजेश्वर वर्मा
सूर और उनका साहित्य	: हरबंशलाल शर्मा
हिंदी साहित्य का अतीत (भाग.1)	: विश्वनाथ प्रसाद मिश्र
हिंदी कृष्णभक्तिकाव्य की पृष्ठभूमि	: गिरिधारीलाल शास्त्री
भक्ति आंदोलन और सूर का काव्य	: मैनेजर पांडेय
लोकवादी तुलसीदास	: विश्वनाथ त्रिपाठी
तुलसीदास	: नंदकिशोर नवल

CBCS-19

Dated : 17.01.19

एम0 ए0 हिंदी द्वितीय सेमेस्टर

तृतीय प्रश्नपत्र

हिंदी रीतिकाव्य

कोड - HNM-2003

क्रेडिट-04 **पूर्णांक-100**

Sessionals : 30

End-Sem. Exam. of 2:30 hours duration : 70

CBCS-19

इकाई 1 : रीतिकाव्य का सामान्य परिचय और रीतिबद्ध कविता

1.1 पूर्व मध्यकालीन रीति-प्रवृत्तियाँ

1.2 लक्षण-ग्रंथ परंपरा : सामान्य परिचय

1.3 हिंदी रीतिकाव्य के प्रथम आचार्य कवि का निर्धारण

1.4 रीतिबद्ध काव्य की विशेषताएँ

1.5 मतिराम की काव्य-कला (नायिका-भेद, रसराजत्व, शृंगारिकता, कलात्मक वैशिष्ट्य)

1.6 देव की काव्य-कला (लोकप्रियता, शृंगारिकता, कलात्मक उपलब्धियाँ)

इकाई 2 : रीतिसिद्ध और रीतिमुक्त कविता

2.1 रीतिकवियों का वर्गीकरण : समस्याएँ और समाधान

2.2 रीतिकालीन काव्य की सामान्य प्रवृत्तियाँ

2.3 सतसई-परंपरा और बिहारी

2.4 बिहारी की काव्य-कला (शृंगार-चित्रण, नीति-निरूपण, बहुज्ञता, अभिव्यक्ति-कौशल)

2.5 रीतिमुक्त कविता का वैशिष्ट्य

2.6 घनानंद की काव्य-कला (शृंगारिक भावना, विरहानुभूति, स्वच्छंदता, कलात्मक उपलब्धियाँ)

इकाई 3

व्याख्या के लिए निर्धारित पाठ

मतिराम : छंद संख्या 01 से 53

देव : छंद संख्या 02, 05, 07, 17, 18, 24, 26, 34, 36, 39, 52, 55, 57, 63, 65, 73 76, 84, 85, 93

बिहारी छंद संख्या - 01, 05, 07, 10, 12, 15, 16, 20, 32, 34, 37, 38, 42, 46, 52, 60, 62, 70, 71, 78, 94, 103, 181, 192, 203, 217, 256, 300, 363, 388

घनानंद : छंद संख्या- 01, 02, 04, 07, 08, 13, 14, 15, 42, 43, 44, 57, 58, 68, 70, 79, 82, 84, 88, 97

नोट : (i) इस प्रश्नपत्र में तीन खंड होंगे। प्रथम खंड में 05-05 अंक के चार लघूत्तरीय प्रश्न होंगे, जिनमें से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर देने होंगे। प्रत्येक प्रश्न के उत्तर की शब्द-सीमा लगभग 100-150 शब्द होगी। द्वितीय खंड में 10-10 अंक के चार अवतरण होंगे। इनमें से किन्हीं तीन की व्याख्या करनी होगी। तृतीय खंड में 15-15 अंक के तीन दीर्घ उत्तरीय प्रश्न होंगे, इनमें से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर देने होंगे।

2x5= 10; 3x10=30; 2 x 15 = 30; कुल= 70

(ii) सेशनल के लिए 30 अंक निर्धारित हैं।

Dated : 17.01.19

पाठ्य पुस्तकें

मतिराम	-	रसराज
सं0 गोवर्धन नाथ शुक्ल	-	देव सुधा
सं0 जगन्नाथदास रत्नाकर	-	बिहारी रत्नाकर
सं0 विश्वनाथप्रसाद मिश्र	-	घनानंद कवित्त

सहायक पुस्तकें

केशवदास	-	आनंदप्रकाश दीक्षित
आचार्य कवि केशवदास	-	कृष्णचंद्र वर्मा
केशव और उनका साहित्य	-	विजयपाल सिंह
रीतिकालीन कवियों की प्रेम-व्यंजना	-	बच्चन सिंह
बिहारी	-	विश्वनाथप्रसाद मिश्र
बिहारी	-	ओमप्रकाश (सं0)
बिहारी मीमांसा	-	रामसागर त्रिपाठी
बिहारी का काव्य-लालित्य	-	रामशंकर तिवारी
महाकवि बिहारी	-	रामगोपाल शर्मा 'दिनेश'
श्रृंगार परंपरा और बिहारी	-	गणपतिचंद्र गुप्त
मध्यकालीन श्रृंगारिक प्रवृत्तियाँ	-	परशुराम चतुर्वेदी
रीतिकाव्य-संग्रह	-	जगदीश गुप्त
श्रृंगार काल का पुनर्मूल्यांकन	-	रमेशकुमार शर्मा
हिंदी साहित्य का वृहत् इतिहास (6,7 भाग)	-	ना0 प्र0 स0, वाराणसी
हिंदी साहित्य का अतीत (भाग-2)	-	विश्वनाथप्रसाद मिश्र
घन आनंद	-	विश्वनाथप्रसाद मिश्र
महाकवि देव	-	कृष्णचंद्र वर्मा
महाकवि देव	-	भोलानाथ तिवारी
महाकवि मतिराम	-	त्रिभुवन सिंह

CBCS-19

Dated : 17.01.19

एम0 ए0 हिंदी द्वितीय सेमेस्टर

चतुर्थ प्रश्नपत्र

क्रेडिट-04 **पूर्णांक-100**

Sessionals : 30

End-Sem. Exam. of 2:30 hours duration : 70

हिंदी नाटक

कोड - HNM-2004

इकाई 1 : नाटक की तात्त्विक विवेचना और भारतेंदु हरिश्चंद्र

1.1 रूपक के भेद

1.2 नाटक : परिभाषा और स्वरूप

1.3 नाटक के तत्त्व (भारतीय और पाश्चात्य दृष्टि से)

1.4 हिंदी नाटक और रंगमंच का विकास

1.5 हिंदी के प्रमुख नाटककार : भारतेन्दु हरिश्चंद्र, जगदीश चंद्र माथुर, सुरेंद्र वर्मा

1.6 'अंधेर नगरी', 'अंधा युग' और 'कबिरा खड़ा बाज़ार में' नाटकों का अध्ययन (केवल लघूत्तरात्मक प्रश्नों के लिए)

इकाई 2 : नाटककार जयशंकर प्रसाद और 'चंद्रगुप्त'

2.1 प्रसाद के नाट्य-साहित्य का परिचयात्मक अध्ययन

2.2 भारतीय नवजागरण और नाटककार प्रसाद

2.3 'चंद्रगुप्त' का आलोचनात्मक अध्ययन (इतिहास और कल्पना, राष्ट्रीयता का प्रश्न, नायकत्व की समस्या, पात्र-सृष्टि, अभिनेयता)

2.4 नाट्यकला की दृष्टि से 'चंद्रगुप्त' का मूल्यांकन

2.5 प्रसाद के नाटकों का वैशिष्ट्य

2.6 'चंद्रगुप्त' के प्रमुख अंशों की व्याख्या

इकाई 3 : नाटककार मोहन राकेश और 'आधे-अधूरे'

3.1 मोहन राकेश के नाट्य साहित्य का परिचयात्मक अध्ययन

3.2 बदलते जीवन-मूल्य और 'आधे-अधूरे' का वैचारिक परिप्रेक्ष्य

3.3 'आधे-अधूरे' का आलोचनात्मक अध्ययन (मूल संवेदना, आधुनिकता-बोध, शिल्प-वैशिष्ट्य)

3.4 मोहन राकेश की रंग-दृष्टि

3.5 आधुनिक हिंदी नाट्यसाहित्य को मोहन राकेश का प्रदेय

3.6 'आधे-अधूरे' के प्रमुख अंशों की व्याख्या

नोट : (i) इस प्रश्नपत्र में तीन खंड होंगे। प्रथम खंड में 05-05 अंक के चार लघूत्तरीय प्रश्न होंगे, जिनमें से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर देने होंगे। प्रत्येक प्रश्न के उत्तर की शब्द-सीमा लगभग 100-150 शब्द होगी। द्वितीय खंड में 10-10 अंक के चार अवतरण होंगे। इनमें से किन्हीं तीन की व्याख्या करनी होगी। तृतीय खंड में 15-15 अंक के तीन दीर्घ उत्तरीय प्रश्न होंगे, इनमें से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर देने होंगे।

2x5= 10; 3x10=30; 2 x 15 = 30; कुल= 70

(ii) सेशनल के लिए 30 अंक निर्धारित हैं।

Dated : 17.01.19

CBCS-19

पाठ्य पुस्तकें

जयशंकर प्रसाद - चंद्रगुप्त

मोहन राकेश - आधे-अधूरे

सहायक पुस्तकें

हिंदी नाटक	:	बच्चन सिंह
हिंदी नाटक और रंगमंच : नयी दिशाएँ, नये प्रश्न	:	गिरीश रस्तोगी
हिंदी नाटक : सिद्धांत और विवेचन	:	गिरीश रस्तोगी
हिंदी नाटक : उद्‌भव और विकास	:	दशरथ ओझा
हिंदी नाटक : उद्‌भव और विकास	:	हेतु भारद्वाज/ सुमनलता
प्रसाद के नाटक : स्वरूप और संरचना	:	गोविंद चातक
हिंदी नाटक : समाजशास्त्रीय अध्ययन	:	सीताराम झा
राष्ट्रीयता और भारतेंदु हरिश्चंद्र	:	आरिफ़ नज़ीर
हिंदी नाटक में नायक का स्वरूप	:	राजेंद्रकृष्ण भनोत
नाटककार प्रसाद	:	सावित्री तिवारी
मोहन राकेश और उनके नाटक	:	गिरीश रस्तोगी
रंग दर्शन	:	नेमिचंद्र जैन
प्रसाद के नाटकों का शास्त्रीय अध्ययन	:	जगन्नाथ प्रसाद
मोहन राकेश : रंग शिल्प और प्रदर्शन	:	जयदेव तनेजा
आधुनिक भारतीय नाट्य-विमर्श	:	जयदेव तनेजा
समकालीन हिंदी नाटक और रंगमंच	:	जयदेव तनेजा

CBCS-19

Dated : 17.01.19

एम0 ए0 हिंदी द्वितीय सेमेस्टर

मुक्त वैकल्पिक प्रश्नपत्र (OPEN ELECTIVE)

कोड - OHN-2091

क्रेडिट-04 **पूर्णांक-100**

Sessionals : 30

End-Sem. Exam. of 2:30 hours duration : 70

CBCS-19

इकाई 1 : हिंदी कथासाहित्य

1.1 हिंदी उपन्यास : उद्‌भव और विकास

1.2 हिंदी के प्रमुख उपन्यासकार और उनकी कृतियों का परिचयात्मक अध्ययन
(प्रेमचंद, जैनेंद्र कुमार, राही मासूम रज़ा)

1.3 हिंदी कहानी : उद्‌भव और विकास

1.4 हिंदी के प्रमुख कहानीकार और उनके कहानी-साहित्य का परिचयात्मक अध्ययन
(प्रेमचंद, प्रसाद, अज्ञेय, मोहन राकेश, अमरकांत)

1.5 निर्धारित कहानियों का आलोचनात्मक अध्ययन
(निर्धारित कहानियाँ : उसने कहा था, क़फ़न, पुरस्कार, परिंदे)

इकाई 2 : हिंदी कविता

2.1 भारतेंदु एवं द्विवेदीयुग कविता की प्रमुख विशेषताएँ

2.2 छायावाद कविता की प्रमुख प्रवृत्तियाँ

2.3 हिंदी की प्रगतिशील कविता का वैशिष्ट्य

2.4 नई कविता के विविध रूप

2.5 समकालीन कविता का सामान्य परिचय

2.6 हिंदी के प्रमुख कवियों और उनकी कविता का परिचयात्मक अध्ययन
(मैथिली शरण गुप्त, सूर्यकांत त्रिपाठी निराला, नागार्जुन, अज्ञेय, मुक्तिबोध, दुष्यंत कुमार)

2.7 निर्धारित कविताओं की व्याख्या

व्याख्या के लिए निर्धारित पाठ

पुष्प की अभिलाषा	: माखनलाल चतुर्वेदी
अरुण यह मधुमय देश हमारा	: जयशंकर प्रसाद
जुही की कली	: सूर्यकांत त्रिपाठी निराला
मैं नीर भरी दुख की बदली	: महादेवी वर्मा
कालिदास	: नागार्जुन
कलगी बाजरे की	: अज्ञेय
सौंदर्यबोध	: सर्वेश्वरदयाल सक्सेना
रैली में स्त्रियाँ	: राजेश जोशी

इकाई 3 : हिंदी की अन्य गद्य विधाएँ

3.1 हिंदी निबंध का सामान्य परिचय

3.2 हिंदी संस्मरण साहित्य : सामान्य परिचय

3.3 आत्मकथा साहित्य का सामान्य परिचय

Dated : 17.01.19

3.4 हिंदी जीवनी का सामान्य परिचय

3.5 रिपोर्ताज का सामान्य परिचय

3.6 डायरी का सामान्य परिचय

नोट : (i) इस प्रश्नपत्र में तीन खंड होंगे। प्रथम खंड में 05-05 अंक के चार लघूत्तरीय प्रश्न होंगे, जिनमें से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर देने होंगे। प्रत्येक प्रश्न के उत्तर की शब्द-सीमा लगभग 100-150 शब्द होगी। द्वितीय खंड में 10-10 अंक के चार अवतरण होंगे। इनमें से किन्हीं तीन की व्याख्या करनी होगी। तृतीय खंड में 15-15 अंक के तीन दीर्घ उत्तरीय प्रश्न होंगे, इनमें से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर देने होंगे।

2x5= 10; 3x10=30; 2 x 15 = 30; कुल= 70

(ii) सेशनल के लिए 30 अंक निर्धारित हैं।

पाठ्य पुस्तक

सं. रामवीर सिंह : आधुनिक काव्य-संग्रह

सहायक पुस्तकें

हिंदी उपन्यास	: शिवनारायण श्रीवास्तव
प्रेमचंद और उनका युग	: रामविलास शर्मा
हिंदी उपन्यास का विकास	: गोपाल राय
हिंदी उपन्यास : जनवादी परंपरा	: सं. कुँवरपाल सिंह, अजय बिसारिया
हिंदी कहानी का इतिहास	: गोपाल राय
कहानी-नयी कहानी	: नामवर सिंह
नई कहानी की भूमिका	: कमलेश्वर
छायावाद	: नामवर सिंह
आधुनिक साहित्य की प्रवृत्तियाँ	: नामवर सिंह
हिंदी का गद्य साहित्य	: रामचंद्र तिवारी
हिंदी साहित्य की नयी विधाएँ	: कैलाशचंद्र भाटिया
गद्य की नयी विधाओं का विकास	: माजदा असद

CBCS-19

Dated : 17.01.19

एम0 ए0 हिंदी द्वितीय सेमेस्टर

पंचम प्रश्नपत्र (वैकल्पिक) क्रेडिट-04 पूर्णांक-100

Sessionals : 30
End-Sem. Exam. of 2:30 hours duration : 70

आलोचक रामचंद्र शुक्ल

कोड - HNM-2011

इकाई 1 : सैद्धांतिक आलोचना

1.1 आलोचक बनने की तैयारी

सैद्धांतिक आलोचना

1.2 मनोविकारों का अध्ययन

1.3 भारतीय काव्यशास्त्र : रस, अलंकार एवं वक्रोक्ति संबंधी दृष्टि; काव्य की परिभाषा, काव्य का प्रयोजन

1.4 पाश्चात्य साहित्य-सिद्धांत : अभिव्यंजनावाद, कल्पना, बिंब

1.5 साहित्येतिहास दृष्टि : काल-विभाजन, नामकरण, विवाद के सूत्र

इकाई 2 : व्यावहारिक आलोचना : एक

2.1 आदिकालीन साहित्य

2.2 संतकाव्य एवं कबीरदास

2.3 जायसी

2.4 सूरदास

2.5 तुलसीदास

इकाई 3 : व्यावहारिक आलोचना : दो

3.1 रीतिकाल

3.2 गद्य का प्रवर्तन

3.3 छायावाद

3.4 आलोचना की परिभाषिकी - रूप विधान, शीलदशा, कर्म-सौंदर्य, लोक-सामान्य भावभूमि, आनंद की साधनावस्था, आनंद की सिद्धावस्था

3.5 आलोचना-दृष्टि

नोट : (i) इस प्रश्नपत्र में तीन खंड होंगे। प्रथम खंड में 05-05 अंक के चार लघूत्तरीय प्रश्न होंगे, जिनमें से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर देने होंगे। प्रत्येक प्रश्न के उत्तर की शब्द-सीमा 100-150 शब्द होगी। द्वितीय खंड में 10-10 अंक के चार प्रश्न पूछे जाएँगे, जिनमें से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर देने होंगे। प्रत्येक प्रश्न के उत्तर की शब्द-सीमा 200-250 शब्द होगी। तृतीय खंड में 15-15 अंक के तीन दीर्घ उत्तरीय प्रश्न होंगे, इनमें से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर देने होंगे।

2x5= 10; 3x10=30; 2 x 15 = 30; कुल= 70

(i) सेशनल के लिए 30 अंक निर्धारित हैं।

CBCS-19

Dated : 17.01.19

पाठ्य पुस्तकें

हिंदी साहित्य का इतिहास	:	आचार्य रामचंद्र शुक्ल
त्रिवेणी	:	आचार्य रामचंद्र शुक्ल
चिंतामणि (भाग-1, 2)	:	आचार्य रामचंद्र शुक्ल
रसमीमांसा	:	आचार्य रामचंद्र शुक्ल

सहायक पुस्तकें

आचार्य रामचंद्र शुक्ल और हिंदी आलोचना	:	रामविलास शर्मा
रामचंद्र शुक्ल और हिंदी आलोचना	:	रामस्वरूप चतुर्वेदी
हिंदी आलोचना की परपंरा और रामचन्द्र शुक्ल	:	शिवकुमार मिश्र
रामचंद्र शुक्ल के साहित्य-सिद्धांत	:	रामकृपाल पाण्डेय
रामचंद्र शुक्ल : जीवन और कृतित्व	:	चन्द्रशेखर शुक्ल
आचार्य रामचंद्र शुक्ल : वैचारिक पृष्ठभूमि	:	सं. ओमप्रकाश सिंह
आचार्य रामचन्द्र शुक्ल : आलोचना के नये मानदण्ड	:	भवदेव पाण्डेय
आचार्य शुक्ल का इतिहास पढ़ते हुए	:	बच्चन सिंह
हिंदी आलोचना	:	विश्वनाथ त्रिपाठी
हिंदी आलोचना का विकास	:	नंदकिशोर नवल
हिंदी आलोचना और बीसवीं शताब्दी	:	निर्मला जैन
साहित्य और इतिहास-दृष्टि	:	मैनेजर पाण्डेय
इतिहास और आलोचना	:	नामवर सिंह
आचार्य रामचन्द्र शुक्ल : प्रस्थान और परंपरा	:	राममूर्ति त्रिपाठी

CBCS-19

Dated : 17.01.19

एम0 ए0 हिंदी (द्वितीय सेमेस्टर)

पंचम प्रश्नपत्र (वैकल्पिक)

क्रेडिट-04 पूर्णांक-100

Sessionals : 30

End-Sem. Exam. of 2:30 hours duration : 70

आलोचक हजारीप्रसाद द्विवेदी

कोड - HNM-2012

इकाई 1 : सैद्धांतिक आलोचना

1.1 आलोचक व्यक्तित्व का निर्माण : स्थानीयता, संस्कृत ज्ञान, अध्ययन-वृत्ति, खोजी प्रवृत्ति, शांतिनिकेतन का प्रभाव

1.2 साहित्यशास्त्रीय चिंतन :

- लालित्य-चिंतन
- रस-दृष्टि
- विधाओं का स्वरूप

1.3 साहित्येतिहास दृष्टि -

- लोक-संबंधी चेतना
- सामान्य जनता अथवा हाशिये के समाज का महत्त्व
- परंपरा का मूल्यांकन : पूर्वपक्ष और उत्तरपक्ष
- मध्यकालीनता और आधुनिकता का भेद
- परंपरा और आधुनिकता का द्वंद्व
- हिंदी साहित्य से अन्य भाषाओं के साहित्य का संबंध

CBCS-19

इकाई 2 : व्यावहारिक आलोचना : एक

2.1 आदिकाल-संबंधी आलोचना

2.2 भक्तिकाल-संबंधी मान्यताएँ

2.3 नाथ साहित्य

2.4 कबीर

2.5 सूरदास : प्रेमाभक्ति का महत्त्व

इकाई 3 : व्यावहारिक आलोचना : दो

3.1 रीतिकालीन साहित्य का मूल्यांकन

3.2 आधुनिक साहित्य संबंधी आलोचना

3.3 संत-साहित्य संबंधी कुछ अवधारणात्मक पदों का स्पष्टीकरण : खमस, अवधूत, निरंजन, शून्य, सहज, नाद, बिंदु, सीमा और असीम

3.4 आलोचना-दृष्टि

3.5 रामचंद्र शुक्ल और हजारीप्रसाद द्विवेदी : साहित्येतिहास एवं आलोचना-दृष्टि में अंतर

नोट : (i) इस प्रश्नपत्र में तीन खंड होंगे। प्रथम खंड में 05-05 अंक के चार लघूत्तरीय प्रश्न होंगे, जिनमें से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर देने होंगे। प्रत्येक प्रश्न के उत्तर की शब्द-सीमा 100-150 शब्द होगी। द्वितीय खंड में 10-10 अंक के चार प्रश्न पूछे जाएँगे, जिनमें से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर देने होंगे। प्रत्येक प्रश्न के उत्तर की शब्द-सीमा

Dated : 17.01.19

200-250 शब्द होगी। तृतीय खंड में 15-15 अंक के तीन दीर्घ उत्तरीय प्रश्न होंगे, इनमें से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर देने होंगे।

2x5= 10; 3x10=30; 2 x 15 = 30; कुल= 70

(i) सेशनल के लिए 30 अंक निर्धारित हैं।

पाठ्य पुस्तकें

हिंदी साहित्य की भूमिका	:	हजारीप्रसाद द्विवेदी
हिंदी साहित्य का आदिकाल	:	हजारीप्रसाद द्विवेदी
हिंदी साहित्य का उद्भव और विकास	:	हजारीप्रसाद द्विवेदी
सूर साहित्य	:	हजारीप्रसाद द्विवेदी
कबीर	:	हजारीप्रसाद द्विवेदी
नाथ संप्रदाय	:	हजारीप्रसाद द्विवेदी
मध्यकालीन धर्म-साधना	:	हजारीप्रसाद द्विवेदी
मध्यकालीन बोध का स्वरूप	:	हजारीप्रसाद द्विवेदी
साहित्य-सहचर	:	हजारीप्रसाद द्विवेदी
कालिदास की लालित्य योजना	:	हजारीप्रसाद द्विवेदी
आधुनिक हिंदी साहित्य पर विचार	:	हजारीप्रसाद द्विवेदी

CBCS-19

सहायक पुस्तकें

शांतिनिकेतन से शिवालिक तक	:	शिवप्रसाद सिंह
व्योमकेश दरवेश	:	विश्वनाथ त्रिपाठी
दूसरी परंपरा की खोज	:	नामवर सिंह
आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी	:	राममूर्ति त्रिपाठी
आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी-संकलित निबंध	:	सं. नामवर सिंह
हजारीप्रसाद द्विवेदी ग्रंथावली	:	सं. मुकुन्द द्विवेदी
हिंदी आलोचना	:	विश्वनाथ त्रिपाठी
हिंदी आलोचना का विकास	:	नंदकिशोर नवल
साहित्य और इतिहास-दृष्टि	:	मैनेजर पाण्डेय
हिंदी आलोचना की बीसवीं सदी	:	निर्मला जैन

Dated : 17.01.19

एम0 ए0 हिंदी द्वितीय सेमेस्टर

पंचम प्रश्नपत्र (वैकल्पिक) आलोचक रामविलास शर्मा

क्रेडिट-04 **पूर्णांक-100**

Sessionals : 30

End-Sem. Exam. of 2:30 hours duration : 70

कोड - HNM-2013

इकाई 1 : आलोचना का वैचारिक आधार

1.1 हिंदी की मार्क्सवादी आलोचना और रामविलास शर्मा

1.2 भारत में आधुनिकता और अंग्रेज़ी राज संबंधी दृष्टिकोण

1.3 1857 का स्वाधीनता आंदोलन और हिंदी प्रदेश की भूमिका

1.4 हिंदी जाति की अवधारणा

1.5 हिंदी नवजागरण की परंपरा

इकाई 2 : भक्ति आंदोलन : पुर्नमूल्यांकन

2.1 सामाजिक विकास और भक्ति आंदोलन

2.2 निर्गुण-सगुण का संबंध

2.3 जनसंस्कृति और भक्तिकाव्य

2.4 भक्तिकाव्य का राष्ट्रीय महत्त्व

2.5 तुलसीदास में प्रगतिशील तत्त्व

इकाई 3 : नवजागरण और आधुनिक साहित्य

3.1 भारतेंदु हरिश्चंद्र

3.2 महावीरप्रसाद द्विवेदी

3.3 प्रेमचंद

3.4 निराला

3.5 प्रगतिशील साहित्य के मानदण्ड

3.6 आलोचना-दृष्टि

CBCS-19

नोट : (i) इस प्रश्नपत्र में तीन खंड होंगे। प्रथम खंड में 05-05 अंक के चार लघूत्तरीय प्रश्न होंगे, जिनमें से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर देने होंगे। प्रत्येक प्रश्न के उत्तर की शब्द-सीमा 100-150 शब्द होगी। द्वितीय खंड में 10-10 अंक के चार प्रश्न पूछे जाएँगे, जिनमें से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर देने होंगे। प्रत्येक प्रश्न के उत्तर की शब्द-सीमा 200-250 शब्द होगी। तृतीय खंड में 15-15 अंक के तीन दीर्घ उत्तरीय प्रश्न होंगे, इनमें से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर देने होंगे।

2x5= 10; 3x10=30; 2 x 15 = 30; कुल= 70

(i) सेशनल के लिए 30 अंक निर्धारित हैं।

पाठ्य पुस्तकें

परंपरा का मूल्यांकन : रामविलास शर्मा

भारतीय सौंदर्यबोध और तुलसीदास-1,2 : रामविलास शर्मा

महावीर प्रसाद द्विवेदी और हिंदी नवजागरण : रामविलास शर्मा

Dated : 17.01.19

लोकजागरण और हिंदी साहित्य	: रामविलास शर्मा
प्रेमचंद और उनका युग	: रामविलास शर्मा
निराला की साहित्य-साधना 1, 2, 3	: रामविलास शर्मा
भारत में अंग्रेजी राज और मार्क्सवाद 1, 2	: रामविलास शर्मा
मार्क्सवाद और प्रगतिशील साहित्य	: रामविलास शर्मा
प्रगतिशील साहित्य की समस्याएँ	: रामविलास शर्मा
भाषा और समाज	: रामविलास शर्मा
भारतीय साहित्य के इतिहास की समस्याएँ	: रामविलास शर्मा
हिंदी जाति का साहित्य	: रामविलास शर्मा
आस्था और सौंदर्य	: रामविलास शर्मा
कथा-विवेचना और गद्य-शिल्प	: रामविलास शर्मा

सहायक पुस्तकें

हिंदी आलोचना	: विश्वनाथ त्रिपाठी
हिंदी आलोचना का विकास	: नंदकिशोर नवल
साहित्य और इतिहास दृष्टि	: मैनेजर पाण्डेय
आज के सवाल और मार्क्सवाद	: सं. अजय तिवारी
आधुनिकता पर पुनर्विचार	: अजय तिवारी
रामविलास शर्मा का ऐतिहासिक योगदान	: सं. प्रदीप सक्सेना
रामविलास शर्मा-मोनोग्राफ	: शंभुनाथ
भाषा, साहित्य और जातीयता	: रामविलास शर्मा (संपा.-विजयमोहन शर्मा, वेदप्रकाश)

CBCS-19

Dated : 17.01.19

एम0ए0 हिंदी चतुर्थ सेमेस्टर

क्रेडिट-04 **पूर्णांक-100**

Sessionals : 30

End-Sem. Exam. of 2:30 hours duration : 70

प्रथम प्रश्न-पत्र

हिंदी निबंध, जीवनी और संस्मरण

कोड : HNM-4001

CBCS-19

इकाई 1

1.1 निबंध : परिभाषा, स्वरूप और प्रकार

1.2 भारतेंदु युग की प्रमुख प्रवृत्तियाँ और निबंधकार बालकृष्ट भट्ट

1.3 द्विवेदी युग की प्रमुख प्रवृत्तियाँ और निबंधकार पूर्ण सिंह

1.4 शुक्ल युग की प्रमुख प्रवृत्तियाँ और निबंधकार रामचंद्र शुक्ल

1.5 शुक्लोत्तर युग की प्रमुख प्रवृत्तियाँ और निबंधकार हजारीप्रसाद द्विवेदी

1.6 स्वातंत्र्योत्तर युग की प्रमुख प्रवृत्तियाँ और निबंधकार अज्ञेय तथा हरिशंकर परसाई

इकाई 2 साहित्यिक व्याख्या एवं समीक्षा

निर्धारित निबंध :

साहित्य जनसमूह के हृदय का विकास है

मजदूरी और प्रेम

कविता क्या है

नाखून क्यों बढ़ते हैं

चेतना का संस्कार

पगडंडियों का ज़माना

इकाई 3

3.1 साहित्यिक विधा के रूप में जीवनी

3.2 हिंदी जीवनी-साहित्य का विकास

3.3 'आवारा मसीहा' का समीक्षात्मक अध्ययन

3.4 जीवनीकार विष्णु प्रभाकर

3.5 संस्मरण : रूप-विचार

3.6 हिंदी संस्मरण-साहित्य का विकास

3.7 'अतीत के चलचित्र' का समीक्षात्मक अध्ययन

3.8 महादेवी वर्मा के संस्मरण-लेखन की प्रमुख विशेषताएँ

पाठ्य पुस्तकें

निबंध निकष : सं. रामचंद्र तिवारी

आवारा मसीहा : विष्णु प्रभाकर

अतीत के चलचित्र : महादेवी वर्मा

Dated : 17.01.19

नोट : (i) इस प्रश्नपत्र में तीन खंड होंगे। प्रथम खंड में 05-05 अंक के चार लघूत्तरीय प्रश्न होंगे, जिनमें से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर देने होंगे। प्रत्येक प्रश्न के उत्तर की शब्द-सीमा लगभग 100-150 शब्द होगी। द्वितीय खंड में 10-10 अंक के चार अवतरण होंगे। इनमें से किन्हीं तीन की व्याख्या करनी होगी। तृतीय खंड में 15-15 अंक के तीन दीर्घ उत्तरीय प्रश्न होंगे, इनमें से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर देने होंगे।

2x5= 10; 3x10=30; 2 x 15 = 30; कुल= 70

(ii) सेशनल के लिए 30 अंक निर्धारित हैं।

सहायक पुस्तकें

हिंदी निबंध-साहित्य का सांस्कृतिक अध्ययन	:	बाबूराम
हिंदी का गद्य साहित्य	:	रामचंद्र तिवारी
हिंदी के प्रतिनिधि निबंधकार	:	द्वारिकाप्रसाद सक्सेना
हिंदी गद्य : विन्यास और विकास	:	रामस्वरूप चतुर्वेदी
निबंधकार हजारीप्रसाद द्विवेदी	:	विजयबहादुर सिंह
आचार्य रामचंद्र शुक्ल के समीक्षा-सिद्धांत	:	शिवनाथ
गद्य की नयी विधाओं का विकास	:	माजदा असद
काव्य के रूप	:	गुलाब राय
विविधा	:	कैलाशचंद्र भाटिया
साहित्यशास्त्र	:	ऑस्टिन वारेन
हिंदी साहित्य की नयी विधाएँ	:	कैलाशचंद्र भाटिया
हिंदी साहित्य कोश	:	धीरेंद्र वर्मा
देश के इस दौर में	:	विश्वनाथ त्रिपाठी
परसाई की पारसाई	:	राजेश कुमार

CBCS-19

Dated : 17.01.19

एम0 ए0 हिंदी चतुर्थ सेमेस्टर
द्वितीय प्रश्नपत्र
हिंदी उपन्यास (स्वातंत्र्योत्तर)
कोड : HNM-4002

क्रेडिट-04 **पूर्णांक-100**

Sessionals : 30
End-Sem. Exam. of 2:30 hours duration : 70

CBCS-19

इकाई 1 : आंचलिक एवं ग्रामोन्मुखी हिंदी उपन्यास

1.1 हिंदी के आंचलिक उपन्यास : परंपरा और प्रवृत्तियाँ

1.2 'मैला आँचल' का आलोचनात्मक अध्ययन

1.3 रेणु और उनकी उपन्यास-कला

1.4 स्वातंत्र्योत्तर ग्रामोन्मुखी हिंदी उपन्यास : प्रमुख प्रवृत्तियाँ और उपन्यासकार

इकाई 2 : सामाजिक यथार्थ, आधुनिकता और हिंदी उपन्यास

2.1 हिंदी उपन्यास : नगरीय जीवन के विविध आयाम, प्रवृत्तियाँ

2.2 स्वातंत्र्योत्तर भारत की सांप्रदायिक समस्या और हिंदी उपन्यास

2.3 'तमस' का आलोचनात्मक अध्ययन

2.4 भीष्म साहनी और उनकी उपन्यास-कला

इकाई 3 : हिंदी उपन्यास की अद्यतन प्रवृत्तियाँ

3.1 हिंदी उपन्यास की अधुनातन प्रवृत्तियाँ : सामान्य परिचय

3.2 'झीनी झीनी बीनी चदरिया' का आलोचनात्मक अध्ययन

3.3 स्त्री-विमर्श और हिंदी उपन्यास

3.4 'छिन्नमस्ता' का आलोचनात्मक अध्ययन

3.5 दलित-विमर्श और हिंदी उपन्यास

नोट : (i) इस प्रश्नपत्र में तीन खंड होंगे। प्रथम खंड में 05-05 अंक के चार लघूत्तरीय प्रश्न होंगे, जिनमें से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर देने होंगे। प्रत्येक प्रश्न के उत्तर की शब्द-सीमा 100-150 शब्द होगी। द्वितीय खंड में 10-10 अंक के चार प्रश्न पूछे जाएँगे, जिनमें से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर देने होंगे। प्रत्येक प्रश्न के उत्तर की शब्द-सीमा 200-250 शब्द होगी। तृतीय खंड में 15-15 अंक के तीन दीर्घ उत्तरीय प्रश्न होंगे, इनमें से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर देने होंगे।

2x5= 10; 3x10=30; 2 x 15 = 30; कुल= 70

(i) सेशनल के लिए 30 अंक निर्धारित हैं।

पाठ्य पुस्तकें

मैला आँचल	:	फणीश्वरनाथ रेणु, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
तमस	:	भीष्म साहनी, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
झीनी झीनी बीनी चदरिया	:	अब्दुल बिस्मिल्लाह, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
छिन्नमस्ता	:	प्रभा खेतान, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली

Dated : 17.01.19

सहायक पुस्तकें

हिंदी उपन्यास और यथार्थवाद	: त्रिभुवन सिंह
हिंदी उपन्यास : सामाजिक चेतना	: कुँवरपाल सिंह
हिंदी उपन्यास : जनवादी परंपरा	: सं. कुँवरपाल सिंह, अजय बिसारिया
हिंदी उपन्यास : एक अंतर्यात्रा	: रामदरश मिश्र
स्वातंत्र्योत्तर हिंदी उपन्यास	: कांति वर्मा
हिंदी उपन्यास : बदलते संदर्भ	: शशिभूषण सिंहल
हिंदी-उर्दू उपन्यास : एक अंतर्यात्रा	: एम0ई0 जुबैरी
समकालीन उपन्यास : संवेदना और सरोकार	: मधुरेश
भीष्म साहनी : व्यक्तित्व और रचना	: राजेश्वर, ठाकुर प्रताप (सं0)
फणीश्वरनाथ रेणु की राजनैतिक चेतना	: शिवचंद्र प्रसाद
स्वातंत्र्योत्तर हिंदी कथा-साहित्य और ग्रामीण-जीवन	: विवेकी राय
आधुनिकता और हिंदी उपन्यास	: इंद्रनाथ मदान
दलित चेतना : साहित्यिक एवं सामाजिक सरोकार	: रमणिका गुप्ता
हिंदी उपन्यास : सार्थक की पहचान	: मधुरेश
हिंदी उपन्यास का विकास	: मधुरेश
हिंदी उपन्यास का इतिहास	: गोपाल राय
स्त्रीत्ववादी विमर्श : समाज और साहित्य	: क्षमा शर्मा
साहित्य का स्त्रीवादी विमर्श	: जगदीश्वर चतुर्वेदी
दलित सौंदर्यशास्त्र	: शरण कुमार लिंबाले
दलित सौंदर्यशास्त्र	: ओमप्रकाश वाल्मीकि

CBCS-19

Dated : 17.01.19

एम0 ए0 हिंदी चतुर्थ सेमेस्टर क्रेडिट-04 पूर्णांक-100

Sessionals : 30
End-Sem. Exam. of 2:30 hours duration : 70

तृतीय प्रश्नपत्र

आधुनिक हिंदी कविता (छायावाद के बाद)

कोड : HNM-4003

इकाई 1 : छायावादोत्तर काव्य : पृष्ठभूमि, स्वरूप एवं विकास

1.1 प्रगतिवादी कविता का वैचारिक आधार एवं प्रवृत्तियाँ

1.2 प्रयोगवाद : सामान्य परिचय

1.3 नयी कविता : परिचय एवं प्रवृत्तियाँ

1.4 नयी कविता के परवर्ती काव्यांदोलन : सामान्य परिचय

इकाई 2 : नागार्जुन एवं मुक्तिबोध की कविता

2.1 नागार्जुन की कविता का आलोचनात्मक अध्ययन : काव्य-यात्रा, सौंदर्य-दृष्टि, राजनीतिक चेतना

2.2 मुक्तिबोध की काव्य-दृष्टि

2.3 'अँधेरे में' का आलोचनात्मक अध्ययन

2.4 व्याख्या के लिए निर्धारित पाठ

नागार्जुन - बादल को घिरते देखा है : सिंदूर तिलकित भाल; बहुत दिनों के बाद; मास्टर

मुक्तिबोध - अँधेरे में

इकाई 3 : अज्ञेय, दुष्यंत कुमार एवं सर्वेश्वर की कविता

3.1 अज्ञेय की कविता का आलोचनात्मक अध्ययन : काव्य-दृष्टि, संवेदना के प्रमुख बिंदु, काव्य-भाषा

3.2 दुष्यंत की ग़ज़लें : संवेदना और शिल्प

3.3 सर्वेश्वर की कविता : यथार्थ-बोध, भाषा एवं शिल्प

3.4 व्याख्या के लिए निर्धारित पाठ

अज्ञेय - यह दीप अकेला; चिड़िया ने ही कहा; सम्राज्ञी का नेवैद्य दान; मैंने देखा, एक बूँद; कलगी बाजरे की

दुष्यंत कुमार - साये में धूप से निम्नलिखित ग़ज़लें

ग़ज़ल सं. 1. कहाँ तो तय था चिरागां हरेक घर के लिए
8. भूख है तो सब्र कर रोटी नहीं तो क्या हुआ
15. मत कहो आकाश में कुहरा घना है
49. अब किसी को भी नज़र आती नहीं कोई दरार

सर्वेश्वर दयाल सक्सेना - शब्दों का ठेला, पिछड़ा आदमी, अब कुछ ठीक नहीं

नोट : (i) इस प्रश्नपत्र में तीन खंड होंगे। प्रथम खंड में 05-05 अंक के चार लघूत्तरीय प्रश्न होंगे, जिनमें से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर देने होंगे। प्रत्येक प्रश्न के उत्तर की शब्द-सीमा लगभग 100-150 शब्द होगी। द्वितीय खंड में 10-10 अंक के चार अवतरण होंगे। इनमें से किन्हीं तीन की व्याख्या करनी होगी। तृतीय खंड में 15-15 अंक के तीन दीर्घ उत्तरीय प्रश्न होंगे, इनमें से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर

CBCS-19

Dated : 17.01.19

देने होंगे।

2x5= 10; 3x10=30; 2 x 15 = 30; कुल= 70

(ii) सेशनल के लिए 30 अंक निर्धारित हैं।

पाठ्य पुस्तकें

नागार्जुन : प्रतिनिधि कविताएँ	: सं. वेद प्रकाश
चाँद का मुँह टेढ़ा है	: गजानन माधव मुक्तिबोध
सर्जना के क्षण	: सच्चिदानंद हीरानंद वात्स्यायन अज्ञेय
साये में धूप	: दुष्यंत कुमार
खूँटियों पर टँगे लोग	: सर्वेश्वर दयाल सक्सेना

सहायक पुस्तकें

छायावोत्तर काव्य	: सिद्धेश्वर प्रसाद
छायावादोत्तर काव्यधारा	: शिवमंगल सिंह सुमन
छायावादोत्तर हिंदी काव्य की सामाजिक और सांस्कृतिक पृष्ठभूमि	: कमला प्रसाद पांडेय
हिंदी साहित्य की आधुनिक प्रवृत्तियाँ	: नामवर सिंह
प्रगतिशील कविता के सौंदर्य-मूल्य	: अजय तिवारी
प्रगतिवाद : समानांतर साहित्य	: रेखा अवस्थी
प्रगतिवाद मुनर्मूल्यांकन	: हंसराज रहबर
प्रगतिवाद	: धर्मवीर भारती
प्रगतिवाद	: शिवकुमार मिश्र
नयी कविता : स्वरूप और समस्याएँ	: जगदीश गुप्त
नयी कविता के प्रतिमान	: लक्ष्मीकांत वर्मा
कविता के नये प्रतिमान	: नामवर सिंह
नयी कविता का वैचारिक आधार	: सुधीश पचौरी
नयी कविता : सीमा और संभावनाएँ	: गिरिजा कुमार माथुर
नयी कविता और अस्तित्ववाद	: रामविलास शर्मा
नागार्जुन की कविता	: अजय तिवारी
समकालीन कविता का व्याकरण	: परमानंद श्रीवास्तव
अज्ञेय की काव्य तितीर्ष	: नंदकिशोर आचार्य
कवि अज्ञेय	: नंद किशोर नवल
नागार्जुन और उनकी कविता	: नंद किशोर नवल
मुक्तिबोध : ज्ञान और संवेदना	: नंद किशोर नवल
अँधेरे में : परम अभिव्यक्ति की खोज	: धनंजय वर्मा
अँधेरे में : अंतस्तल का पूरा विप्लव	: सं. निर्मला जैन
मुक्तिबोध की कविताई	: अशोक चक्रधर
अज्ञेय और आधुनिक रचना की समस्या	: रामस्वरूप चतुर्वेदी
दुष्यंत कुमार : व्यक्तित्व एवं कृतित्व	: गिरीश ज. त्रिवेदी
दुष्यंत कुमार की ग़ज़लों का समीक्षात्मक अध्ययन	: सरदार मुजावर
अपराजेय आस्था का कवि दुष्यंत कुमार	: कृष्ण कमलेश
दुष्यंत के जाने पर दोस्तों की यादें	: सं. कमलेश्वर
सर्वेश्वरदयाल सक्सेना की कविता में सामाजिक चेतना	: इफ़्फ़त असग़र

एम0 ए0 हिंदी चतुर्थ सेमेस्टर

चतुर्थ प्रश्नपत्र
हिंदी कहानी
कोड : HNM-4004

क्रेडिट-04 **पूर्णांक-100**

Sessionals : 30

End-Sem. Exam. of 2:30 hours duration : 70

CBCS-19

इकाई 1

1.1 हिंदी की आरंभिक कहानियाँ और प्रथम हिंदी कहानी का निर्धारण

1.2 चंद्रधर शर्मा गुलेरी और उनकी कहानियाँ

1.3 प्रेमचंदयुगीन कहानी : परिचय और प्रवृत्तियाँ

1.4 प्रेमचंद एवं प्रसाद की कहानी-कला और प्रदेय

1.5 प्रेमचंदोत्तर कहानी : परिचय और प्रवृत्तियाँ

1.6 जैनेंद्र, अज्ञेय, यशपाल, भगवतीचरण वर्मा की कहानी-कला

इकाई 2

2.1 नयी कहानी की अवधारणा और वैशिष्ट्य

2.2 नयी कहानी : परिचय और प्रवृत्तियाँ

2.3 रेणु, मोहन राकेश, निर्मल वर्मा, कमलेश्वर, अमरकांत, भीष्म साहनी, मन्नू भंडारी की कहानी-कला

2.4 नयी कहानी के बाद के कहानी-आंदोलनों का सामान्य परिचय : अकहानी, समांतर कहानी, सचेतन कहानी, जनवादी कहानी

2.5 ज्ञानरंजन एवं उदय प्रकाश की कहानी-कला

2.6 वर्तमान हिंदी कहानी का परिदृश्य

इकाई 3

3.1 निर्धारित कहानियों का समीक्षात्मक अध्ययन

कहानियाँ :

1. टोकरी भर मिट्टी - माधवराव सप्रे
2. उसने कहा था - चंद्रधर शर्मा गुलेरी
3. शतरंज के खिलाड़ी - प्रेमचंद
4. पूस की रात - प्रेमचंद
5. घासवाली - प्रेमचंद
6. गुंडा - प्रसाद
7. पुरस्कार - प्रसाद
8. पाजेब - जैनेंद्र
9. रोज़ - अज्ञेय
10. मक्रील - यशपाल
11. वसीयत - भगवतीचरण वर्मा
12. तीसरी कसम - फणीश्वरनाथ रेणु
13. अपरिचित - मोहन राकेश
14. परिंदे - निर्मल वर्मा
15. राजा निरबंसिया - कमलेश्वर
16. दोपहर का भोजन - अमरकांत
17. चीफ़ की दावत - भीष्म साहनी
18. अमृतसर आ गया है - भीष्म साहनी
19. यही सच है - मन्नू भंडारी
20. घंटा - ज्ञानरंजन
21. इंस्पेक्टर मातादीन चाँद पर - हरिशंकर परसाई
22. युद्ध - शानी
23. तिरिछ - उदय प्रकाश

Dated : 17.01.19

24. बलि - स्वयं प्रकाश 25. सलाम - ओमप्रकाश वाल्मीकि

नोट : (i) इस प्रश्नपत्र में तीन खंड होंगे। प्रथम खंड में 05-05 अंक के चार लघूत्तरीय प्रश्न होंगे, जिनमें से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर देने होंगे। प्रत्येक प्रश्न के उत्तर की शब्द-सीमा 100-150 शब्द होगी। द्वितीय खंड में 10-10 अंक के चार प्रश्न पूछे जाएँगे, जिनमें से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर देने होंगे। प्रत्येक प्रश्न के उत्तर की शब्द-सीमा 200-250 शब्द होगी। तृतीय खंड में 15-15 अंक के तीन दीर्घ उत्तरीय प्रश्न होंगे, इनमें से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर देने होंगे।

2x5= 10; 3x10=30; 2 x 15 = 30; कुल= 70

(i) सेशनल के लिए 30 अंक निर्धारित हैं।

सहायक पुस्तकें

हिंदी कहानी : उद्भव और विकास : सुरेश सिन्हा
हिंदी कहानी की शिल्पविधि का विकास : लक्ष्मीनारायण लाल
कहानी : नयी कहानी : नामवर सिंह
हिंदी कहानी : पाठ और प्रक्रिया : सुरेंद्र चौधरी
नयी कहानी की भूमिका : कमलेश्वर
एक दुनिया समानांतर : राजेंद्र यादव
हिंदी कहानी : एक मूल्यांकन : सावित्रीचंद्र शोभा
आधुनिक हिंदी कहानी (जैनेंद्र से नयी कहानी तक) : लक्ष्मीनारायण लाल
कवि-कहानीकार अज्ञेय और मुक्तिबोध : भरत सिंह
प्रतिश्रुति और परिवर्तन : भरत सिंह
भारत विभाजन-संबंधी हिंदी, उर्दू तथा पंजाबी कहानियाँ : मेराज अहमद
कुछ कहानियाँ : कुछ विचार : विश्वनाथ त्रिपाठी
जनवादी कहानी : रमेश उपाध्याय
हिंदी कहानी का स्वरूप और विकास : प्रकाश दीक्षित
हिंदी कहानी : अंतरंग पहचान : रामदरश मिश्र
हिंदी कहानी : दो दशक की यात्रा : रामदरश मिश्र
आज की कहानी : विजय मोहन सिंह
नयी कहानी : संदर्भ और प्रकृति : देवीशंकर अवस्थी
हिंदी कहानी का सफ़रनामा : धनंजय वर्मा
हिंदी कहानी : अस्मिता की तलाश : मधुरेश
प्रेमचंद और उनका युग : रामविलास शर्मा
हिंदी कहानी का इतिहास : गोपाल राय
हिंदी कहानी : पहचान और परख : इंद्रनाथ मदान
कहानीकार प्रेमचंद : एक मूल्यांकन : एम.सी. जोशी
कहानी की बात : मार्कण्डेय
कहानी : स्वरूप एवं संवेदना : राजेंद्र यादव

पाठ्य पुस्तकें

कथा कुंज - सं0 त्रिभुवन सिंह, विश्वनाथ प्रसाद

हिंदी कहानी संग्रह - सं भीष्म साहनी

CBCS-19

Dated : 17.01.19

एम0 ए0 हिंदी चतुर्थ सेमेस्टर
पंचम प्रश्नपत्र (वैकल्पिक)
प्रयोजनमूलक हिन्दी
कोड - HNM-4011

क्रेडिट-04 **पूर्णांक-100**

Sessionals : 30
End-Sem. Exam. of 2:30 hours duration : 70

CBCS-19

इकाई 1 : राजभाषा की अवधारणा और हिंदी

1.1 राजभाषा का अर्थ और उसकी ऐतिहासिक आवश्यकता

1.2 राजभाषा के रूप में हिंदी : संवैधानिक स्थिति

1.3 राष्ट्रपति के आदेश

1.4 राजभाषा अधिनियम (1963), संशोधन (1968), राजभाषा नियम (1976)

1.5 राजभाषा के रूप में हिंदी का विकास और वर्तमान स्थिति

इकाई 2 : प्रयोजनमूलक हिंदी का व्यावहारिक स्वरूप

2.1 टिप्पण : स्वरूप, प्रकार और अभ्यास

2.2 संक्षेपण : अर्थ, प्रक्रिया और अभ्यास

2.3 प्रतिवेदन : अर्थ, विशेषताएँ और अभ्यास

2.4 प्रारूपण : महत्व और विशेषताएँ

2.5 कार्यालयी पत्र के प्रकार (परिचय और अभ्यास) :
सरकारी (शासकीय पत्र), अर्द्धसरकारी पत्र, कार्यालयी आदेश, कार्यालयी ज्ञापन, पृष्ठांकन, अधिसूचना, प्रेस-विज्ञप्ति एवं परिपत्र

इकाई 3: पारिभाषिक शब्दावली : सैद्धांतिक एवं व्यावहारिक परिचय

3.1 पारिभाषिक शब्दावली : अभिप्राय और वर्गीकरण

3.2 पारिभाषिक शब्दावली : निर्माण के सिद्धांत

3.3 पारिभाषिक शब्दावली : अनुवाद की समस्याएँ

3.4 प्रशासन और विधि-संबंधी शब्दावली

3.5 वाणिज्य-संबंधी शब्दावली (बैंक, बीमा)

नोट : (i) इस प्रश्नपत्र में तीन खंड होंगे। प्रथम खंड में 05-05 अंक के चार लघूत्तरीय प्रश्न होंगे, जिनमें से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर देने होंगे। प्रत्येक प्रश्न के उत्तर की शब्द-सीमा 100-150 शब्द होगी। द्वितीय खंड में 10-10 अंक के चार प्रश्न पूछे जाएँगे, जिनमें से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर देने होंगे। प्रत्येक प्रश्न के उत्तर की शब्द-सीमा 200-250 शब्द होगी। तृतीय खंड में 15-15 अंक के तीन दीर्घ उत्तरीय प्रश्न होंगे, इनमें से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर देने होंगे।

2x5= 10; 3x10=30; 2 x 15 = 30; कुल= 70

(i) सेशनल के लिए 30 अंक निर्धारित हैं।

Dated : 17.01.19

सहायक पुस्तकें

प्रयोजनमूलक हिंदी : संरचना एवं अनुप्रयोग	: रामप्रकाश तथा दिनेश गुप्त
प्रयोजनमूलक हिंदी : सिद्धांत और प्रयोग	: दंगल झाल्टे
कामकाजी हिंदी	: कैलाशचंद्र भाटिया
प्रशासन में राजभाषा हिंदी	: कैलाशचंद्र भाटिया
प्रशासनिक हिंदी : टिप्पणी, प्रारूपण	: हरिमोहन
व्यावहारिक हिंदी और रचना	: कृष्णकुमार गोस्वामी
हिंदी भाषा : संदर्भ और संरचना	: सूरजभान सिंह
भाषा-शिल्प	: कुसुम अग्रवाल
हिंदी प्रभाग और प्रयोग	: वी0 आर0 जगन्नाथन
भाषायी अस्मिता और हिंदी	: रवींद्रनाथ श्रीवास्तव
राजभाषा हिंदी	: प्रकाशन विभाग, दिल्ली

CBCS-19

Dated : 17.01.19

एम0ए0 हिंदी चतुर्थ सेमेस्टर
पंचम प्रश्नपत्र (वैकल्पिक)
आधुनिक साहित्य-सिद्धांत
कोड - HNM-4012

क्रेडिट-04 **पूर्णांक-100**

Sessionals : 30
End-Sem. Exam. of 2:30 hours duration : 70

इकाई : 1

1.1 मार्क्स एवं एंगेल्स के साहित्य-संबंधी विचार
1.2 मार्क्सोत्तर प्रमुख चिंतक लेनिन और लूकाच
1.3 यथार्थवाद का प्रश्न
1.4 हिंदी का मार्क्सवादी साहित्य-चिंतन
1.5 अस्तित्ववाद : उदय एवं विकास

इकाई : 2

2.1 आधुनिकता और आधुनिकतावाद
2.2 संरचनावाद
2.3 उत्तर-आधुनिकतावाद
2.5 उत्तर-संरचनावाद
2.5 उत्तर-औपनिवेशिक साहित्य-चिंतन

इकाई : 3

3.1 स्त्रीवादी चिंतन
3.2 हिंदी का स्त्रीवादी लेखन
3.3 दलित-चेतना का विकास
3.4 दलित सौंदर्यशास्त्र
3.5 हिंदी दलित-लेखन

नोट : (i) इस प्रश्नपत्र में तीन खंड होंगे। प्रथम खंड में 05-05 अंक के चार लघूत्तरीय प्रश्न होंगे, जिनमें से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर देने होंगे। प्रत्येक प्रश्न के उत्तर की शब्द-सीमा 100-150 शब्द होगी। द्वितीय खंड में 10-10 अंक के चार प्रश्न पूछे जाएँगे, जिनमें से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर देने होंगे। प्रत्येक प्रश्न के उत्तर की शब्द-सीमा 200-250 शब्द होगी। तृतीय खंड में 15-15 अंक के तीन दीर्घ उत्तरीय प्रश्न होंगे, इनमें से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर देने होंगे।

2x5= 10; 3x10=30; 2 x 15 = 30; कुल= 70

(i) सेशनल के लिए 30 अंक निर्धारित हैं।

सहायक पुस्तकें

साहित्य और कला : मार्क्स-एंगेल्स
कार्ल मार्क्स : कला और साहित्य-चिंतन : नामवर सिंह (सं0)/गोरख पांडेय (अनु0)
यथार्थवाद : शिवकुमार मिश्र
साहित्य का समाजशास्त्र : निर्मला जैन (सं0)

CBCS-19

Dated : 17.01.19

साहित्य के समाजशास्त्र की भूमिका	: मैनेजर पांडेय
अस्तित्ववाद	: शिवप्रसाद सिंह
साहित्य के अध्ययन की दृष्टियाँ	: उदयभानु सिंह (सं0)
नयी समीक्षा	: निर्मला जैन
पाश्चात्य साहित्य चिंतन	: निर्मला जैन
पाश्चात्य काव्यशास्त्र	: देवेंद्रनाथ शर्मा
संरचनावाद और उत्तर-संरचनावाद	: गोपीचंद नारंग
उत्तर-आधुनिकतावाद	: देवेंद्र इस्सर
दलित सौंदर्यशास्त्र	: ओमप्रकाश वाल्मीकि
उत्तर-आधुनिक साहित्य विमर्श	: सुधीश पचौरी
दलित सौंदर्यशास्त्र	: शरणकुमार लिंबाले
इतिहास और आलोचना	: नामवर सिंह
आलोचना और इतिहास-दृष्टि	: मैनेजर पांडेय
बीसवीं शती का साहित्य	: प्रगति प्रकाशन, मास्को
दलित चेतना : साहित्यिक एवं सामाजिक सरोकार	: रमणिका गुप्ता
स्त्रीत्ववादी विमर्श : समाज और साहित्य	: क्षमा शर्मा
साहित्य का स्त्रीवादी विमर्श	: जगदीश्वर चतुर्वेदी
उत्तर औपनिवेशिक चिंतन और हिंदी साहित्य	: प्रणय कृष्ण

CBCS-19

Dated : 17.01.19

एम0ए0 (हिंदी) चतुर्थ सेमेस्टर
पंचम प्रश्नपत्र (वैकल्पिक)
शोध-प्रविधि

क्रेडिट-04 **पूर्णांक-100**

Sessionals : 30
End-Sem. Exam. of 2:30 hours duration : 70

कोड - HNM-4017

इकाई : 1 शोध : अवधारणा, स्वरूप एवं प्रकार

1.1 शोध का अर्थ एवं स्वरूप
1.2 शोध की अवधारणा
1.3 शोध की उपयोगिता / उद्देश्य
1.4 शोध के प्रकार
1.5 शोध की विधियाँ
1.6 शोध के सोपान

इकाई : 2 शोध-प्रविधि : प्रक्रिया एवं पद्धति

2.1 शोध की प्रक्रिया
2.2 शोध की विविध पद्धतियाँ
2.3 शोध-सामग्री : स्रोत एवं संकलन
2.5 शोध और आलोचना
2.5 पाठालोचन एवं उसकी पद्धतियाँ
2.6 पाठालोचन की समस्याएँ

इकाई : 3 हिंदी शोध का परिचय

3.1 हिंदी शोध का विकास (प्रविधियाँ, पद्धतियाँ एवं प्रकार)
3.2 शोध और आलोचना
3.3 हिंदी में शोधपत्र और शोध-प्रबंध का स्वरूप

शोधपत्र विषय का चयन; आरंभ, मध्य एवं अंत; उपशीर्षक, उद्धरण; संदर्भ-सूची, भाषा

शोध-प्रबंध विषय का चयन, सामग्री-संकलन, भूमिका, अध्याय-विभाजन, उद्धरण, पाद-टिप्पणी, संदर्भ-सूची, उपसंहार, परिशिष्ट, भाषा

3.4 हिंदी में आदर्श शोध हिंदी में निर्गुण काव्य परंपरा (डॉ. पीतांबरदत्त बड़थ्वाल)
'राधावल्लभ संप्रदाय' (प्रो. विजयेंद्र स्नातक)
'हिंदी साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास' (डा. रामकुमार वर्मा)
'रीतिकाव्य की भूमिका' (डा. नगेंद्र)

नोट : (i) इस प्रश्नपत्र में तीन खंड होंगे। प्रथम खंड में 05-05 अंक के चार लघूत्तरीय प्रश्न होंगे, जिनमें से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर देने होंगे। प्रत्येक प्रश्न के उत्तर की शब्द-सीमा 100-150 शब्द होगी। द्वितीय खंड में 10-10 अंक के चार प्रश्न पूछे जाएँगे, जिनमें से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर देने होंगे। प्रत्येक प्रश्न के उत्तर की शब्द-सीमा 200-250 शब्द होगी। तृतीय खंड में 15-15 अंक के तीन दीर्घ उत्तरीय प्रश्न होंगे, इनमें से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर देने होंगे।

2x5= 10; 3x10=30; 2 x 15 = 30; कुल= 70

(i) सेशनल के लिए 30 अंक निर्धारित हैं।

CBCS-19

Dated : 17.01.19

सहायक पुस्तकें

शोध-प्रविधि	:	विनयमोहन शर्मा
शोध और सिद्धांत	:	नगेंद्र
अनुसंधान प्रविधि : सिद्धांत और प्रक्रिया	:	एस.एन. गणेशन
अनुसंधान की प्रक्रिया	:	सावित्री सिन्हा, विजयेंद्र स्नातक
अनुसंधान प्रविधि एवं क्षेत्र	:	राजमल बोरा
हिंदी के स्वीकृत शोधप्रबंध	:	उदयभानु सिंह
शोधप्रविधि एवं प्रक्रिया	:	चंद्रभान रावत
शोध का स्वरूप एवं मानक व्यावहारिक कार्यविधि	:	बैजनाथ सिंहल
अनुसंधान की प्रक्रिया	:	माताप्रसाद गुप्त
अनुसंधान का स्वरूप	:	सावित्री सिन्हा

CBCS-19

Dated : 17.01.19

एम.ए. हिंदी चतुर्थ सेमेस्टर **क्रेडिट-04** **पूर्णांक-100**

षष्ठ प्रश्नपत्र (वैकल्पिक) Sessionals : 30
End-Sem. Exam. of 2:30 hours duration : 70

नाटककार एवं निबंधकार भारतेंदु

कोड : HNM-4013

इकाई-1

1.1 नवजागरण, हिंदी गद्य का विकास और भारतेंदु हरिश्चंद्र

1.2 भारतेंदु के निबंध/ लेखों का आलोचनात्मक अध्ययन
निर्धारित पाठ : स्वर्ग में विचारसभा का अधिवेशन, कंकड़ स्तोत्र, ईश्वर बड़ा विलक्षण है, भारत वर्ष की उन्नति कैसे हो सकती है? (1-2), खुशी, जातीय संगीत, लेवी प्राण लेवी, ग्रीष्म ऋतु, लेखक और नागरी लेखक, हिंदी कविता, हिंदी भाषा

1.3 भारतेंदु की भाषा-शैली

1.4 'नाटक' शीर्षक आलोचनात्मक निबंध का अध्ययन

1.5 हिंदी आलोचना का आरंभिक दौर और भारतेंदु

CBCS-19

इकाई-2

2.1 हिंदी में 'नाटक' विधा का उदय और भारतेंदु

2.2 भारतेंदु के नाट्य साहित्य का परिचय

2.3 भारतेंदु द्वारा अनूदित नाटकों का आलोचनात्मक अध्ययन
निर्धारित पाठ : मुद्राराक्षस, दुर्लभ बंधु

2.4 भारतेंदु के नाट्यानुवाद का वैशिष्ट्य

इकाई - 3

3.1 भारतेंदु के मौलिक नाटकों का आलोचनात्मक अध्ययन
निर्धारित पाठ : भारत दुर्दशा, अंधेर नगरी

3.2 भारतेंदु के नाटकों में जातीय चेतना और मुक्ति का स्वर

3.3 भारतेंदु के नाटकों में व्यंग्य

3.4 पारसी थियेटर और भारतेंदु की नाट्यकला

3.5 हिंदी नाटक और रंगमंच के विकास में भारतेंदु हरिश्चंद्र का योगदान

नोट : (i) इस प्रश्नपत्र में तीन खंड होंगे। प्रथम खंड में 05-05 अंक के चार लघूत्तरीय प्रश्न होंगे, जिनमें से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर देने होंगे। प्रत्येक प्रश्न के उत्तर की शब्द-सीमा 100-150 शब्द होगी। द्वितीय खंड में 10-10 अंक के चार प्रश्न पूछे जाएँगे, जिनमें से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर देने होंगे। प्रत्येक प्रश्न के उत्तर की शब्द-सीमा 200-250 शब्द होगी। तृतीय खंड में 15-15 अंक के तीन दीर्घ उत्तरीय प्रश्न होंगे, इनमें से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर देने होंगे।

2x5= 10; 3x10=30; 2 x 15 = 30; कुल= 70

(i) सेशनल के लिए 30 अंक निर्धारित हैं।

Dated : 17.01.19

पाठ्य पुस्तक :

भारतेंदु समग्र सं. हेमंत शर्मा, हिंदी प्रचारक संस्थान, वाराणसी

सहायक पुस्तकें :

भारतेंदुकालीन हिंदी साहित्य की सांस्कृतिक पृष्ठभूमि - कमला कनौडिया

भारतेंदु के निबंध - केसरीनारायण शुक्ल

भारतेंदुकालीन नाट्य साहित्य - गोपीनाथ तिवारी

भारतेंदु के नाटकों का शास्त्रीय अनुशीलन - गोपीनाथ तिवारी

भारतेंदु युग - रामविलास शर्मा

भारतेंदु युग और हिंदी भाषा की विकास-परंपरा - रामविलास शर्मा

भारतेंदु हरिश्चंद्र और हिंदी नवजागरण की समस्याएँ - रामविलास शर्मा

भारतेंदु की विचारधारा - लक्ष्मीसागर वार्ष्णेय

राष्ट्रीयता और भारतेंदु हरिश्चंद्र - आरिफ़ नज़ीर

भारतेंदुकालीन व्यंग्य-परंपरा - ब्रजेंद्रनाथ पांडेय

भारतेंदु का नाट्य-साहित्य - वीरेंद्रकुमार शुक्ल

भारतेंदु और भारतीय नवजागरण - शंभुनाथ और अशोक जोशी

CBCS-19

Dated : 17.01.19

एम.ए. हिंदी चतुर्थ सेमेस्टर

षष्ठ प्रश्नपत्र (वैकल्पिक) **क्रेडिट-04** **पूर्णांक-100**

Sessionals : 30

End-Sem. Exam. of 2:30 hours duration : 70

कथाकार प्रेमचंद

कोड : HNM-4014

इकाई-1

1.1 हिंदी कथा-साहित्य के परिदृश्य-परिवर्तन में प्रेमचंद की भूमिका एवं महत्त्व

1.2 प्रेमचंद का उपन्यास-साहित्य : सामान्य परिचय

1.3 सेवासदन : मध्यवर्ग का चरित्र, स्त्री-समस्या, वेश्या-जीवन एवं स्त्री-अस्मिता

1.4 औपन्यासिक शिल्प की दृष्टि से 'सेवासदन' का अध्ययन

1.5 कृषक-जीवन और प्रेमचंद के उपन्यास

1.6 प्रेमाश्रम : स्वाधीनता-आंदोलन की अभिव्यक्ति, किसान-समस्या, औपन्यासिक शिल्प

1.7 प्रेमचंद और गांधीवाद

इकाई-2

2.1 'रंगभूमि' का नायकत्व

2.2 औपनिवेशिक तथा पूँजीवादी विस्तार और 'रंगभूमि'

2.3 'रंगभूमि' में संघर्ष के विविध आयाम

2.4 सांस्कृतिक अस्मिता का प्रश्न और सूरदास

2.5 रंगभूमि : राष्ट्रीय मुक्ति-आंदोलन की महागाथा, महाकाव्यात्मकता तथा प्रमुख पात्रों का चरित्र-चित्रण

2.6 उपन्यासकार के रूप में प्रेमचंद का वैशिष्ट्य

इकाई - 3

3.1 प्रेमचंद की कहानियों में दलित-जीवन : विविध आयाम

निर्धारित पाठ ठाकुर का कुआँ, कफ़न

3.2 स्त्री-अस्मिता का प्रश्न और प्रेमचंद की कहानियाँ

निर्धारित पाठ मिस पद्मा, नया विवाह

3.3 राष्ट्रीय स्वाधीनता-संघर्ष और प्रेमचंद की कहानियाँ

निर्धारित पाठ आहुति, जुलूस

3.4 प्रेमचंद और आदर्शोन्मुख यथार्थवाद की अवधारणा

निर्धारित पाठ बड़े घर की बेटी, मंत्र

3.5 प्रेमचंद की कहानियों में मानव-मनोविज्ञान की बारीकियाँ

निर्धारित पाठ नशा, बड़े भाई साहब

3.6 प्रेमचंद का कहानी-साहित्य : विषय-वैविध्य एवं कहानी-कला

निर्धारित पाठ उपर्युक्त के अतिरिक्त 'ईदगाह', 'आत्माराम', 'शतरंज के खिलाड़ी', 'दो बैलों की कथा'

नोट : (i) इस प्रश्नपत्र में तीन खंड होंगे। प्रथम खंड में 05-05 अंक के चार लघूत्तरीय प्रश्न होंगे, जिनमें से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर देने होंगे। प्रत्येक प्रश्न के उत्तर की शब्द-सीमा 100-150 शब्द होगी। द्वितीय खंड में 10-10 अंक के चार प्रश्न पूछे जाएँगे, जिनमें से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर देने होंगे। प्रत्येक प्रश्न के उत्तर की शब्द-सीमा

CBCS-19

Dated : 17.01.19

200-250 शब्द होगी। तृतीय खंड में 15-15 अंक के तीन दीर्घ उत्तरीय प्रश्न होंगे, इनमें से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर देने होंगे।

2x5= 10; 3x10=30; 2 x 15 = 30; कुल= 70

(i) सेशनल के लिए 30 अंक निर्धारित हैं।

पाठ्य पुस्तकें

सेवासदन	: प्रेमचंद
प्रेमाश्रम	: प्रेमचंद
रंगभूमि	: प्रेमचंद
मानसरोवर (1-8)	: प्रेमचंद

सहायक पुस्तकें

प्रेमचंद : कलम का सिपाही	- अमृतराय
प्रेमचंद और उनका युग	- रामविलास शर्मा
प्रेमचंद और गांधीवाद	- रामदीन गुप्त
प्रेमचंद की उपन्यास-यात्रा : नव मूल्यांकन	- शैलेश ज़ैदी
प्रेमचंद और जनवादी साहित्य की परंपरा	- कुँवरपाल सिंह
प्रेमचंद और उनकी कहानी-कला	- सत्येंद्र
प्रेमचंद : विरासत का सवाल	- शिवकुमार मिश्र
प्रेमचंद : घर में	- शिवरानी देवी
प्रेमचंद और अछूत समस्या	- कांति मोहन
प्रेमचंद और किसान आंदोलन	- रामबक्ष
प्रेमचंद : एक पुनर्मूल्यांकन	- हंसराज रहबर
प्रेमचंद : पुनर्मूल्यांकन	- शंभुनाथ

CBCS-19

Dated : 17.01.19

एम.ए. हिंदी चतुर्थ सेमेस्टर **क्रेडिट-04** **पूर्णांक-100**

षष्ठ प्रश्नपत्र (वैकल्पिक)

Sessionals : 30

End-Sem. Exam. of 2:30 hours duration : 70

व्यंग्यकार हरिशंकर परसाई

कोड : HNM-4015

इकाई एक

1.1 व्यंग्य का स्वरूप और उसके अंग

1.2 हरिशंकर परसाई का निबंध-साहित्य : अतीत और वर्तमानता का द्वंद्व, भाव-संश्लिष्टता, विज्ञापनी संस्कृति तथा विज्ञापनी मानसिकता पर चोट, निबंधों का वैशिष्ट्य

निर्धारित पाठ : राम का दुःख और मेरा, कंधे श्रवणकुमार के, प्रेमचंद के फटे जूते, अन्न की मौत, बेचारा भला आदमी, सहानुभूति, विज्ञापन में बिकती नारी, घायल वसंत, विकलांग श्रद्धा का दौर, फिर उसी नर्मदा मैया की जय, सड़क बन रही है, अपील का जादू

1.3 लघुकथात्मक रचनाएँ : वर्ग-दृष्टि, भ्रष्टाचार के उद्घाटन की पद्धति, विसंगति-बोध, करुणा-भाव, नाटकीयता, फ़ैंटेसी

निर्धारित पाठ : एक लड़की पाँच दीवाने, सदाचार का तावीज़, भेड़ें और भेड़िये, भोलाराम का जीव, बैताल की अट्ठाईसवीं कथा, एकलव्य ने गुरु को अँगूठा दिखाया, इंस्पेक्टर मातादीन चाँद पर, मैं नर्क से बोल रहा हूँ, मनीषीजी, बुद्धिवादी, शव-यात्रा का तौलिया, फ्रंट सीट, किताब का एक पन्ना, भूख के स्वर

1.4 दीर्घकथा : **'तट की खोज'** में नारी-समस्या

1.5 नई कहानी और परसाई की कहानियाँ

इकाई दो

2.1 हरिशंकर परसाई का संस्मरण-साहित्य : युगबोध (राजनीतिक-साहित्यिक वातावरण), जीवन-संघर्ष (आत्मकथ्य में), दृष्टि-निर्माण की प्रक्रिया और आचरण-संहिता

निर्धारित पाठ : मुक्तिबोध, हम इक उम्र से वाक़िफ़ हैं

2.2 साहित्य-संबंधी चर्चा, भाषण और भूमिकाएँ : हास्य-विनोद, विधा-संबंधी टिप्पणियाँ, आलोचना-दृष्टि, व्यंग्य-दृष्टि, रचनाओं की पृष्ठभूमि (यथार्थ-बोध)

निर्धारित पाठ : साहित्यकार का साहस, मेरी कैफ़ियत, पंचतंत्र संगोष्ठी का उद्घाटन-भाषण, 'परसाई रचनावली-6' में संकलित पुस्तकों पर लिखी गयी भूमिकाएँ

2.3 साक्षात्कार(रचनावली-6 में संकलित) : व्यंग्य-संबंधी विचार, राजनीतिक विचार

2.4 प्रश्नोत्तर(पूछिए परसाई से, रचनावली-6 में संकलित) राजनीतिक-सामाजिक चेतना, अंतरराष्ट्रीयता, समाजवाद, वैज्ञानिक-दृष्टि

इकाई तीन

3.1 आधुनिक हिंदी व्यंग्य-परंपरा और हरिशंकर परसाई

3.2 हरिशंकर परसाई का रचना-संसार और उनके व्यंग्य-लेखन की व्यापकता

3.3 हरिशंकर परसाई के लेखन में स्वातंत्र्योत्तर मनुष्य के विविध रूप

3.4 हरिशंकर परसाई : व्यंग्य और विचारधारा का संबंध

3.5 हरिशंकर परसाई के व्यंग्य का सौंदर्यबोध

3.6 हरिशंकर परसाई की रचनाओं में विधाओं का संश्लेष

CBCS-19

Dated : 17.01.19

नोट : (i) इस प्रश्नपत्र में तीन खंड होंगे। प्रथम खंड में 05-05 अंक के चार लघूत्तरीय प्रश्न होंगे, जिनमें से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर देने होंगे। प्रत्येक प्रश्न के उत्तर की शब्द-सीमा 100-150 शब्द होगी। द्वितीय खंड में 10-10 अंक के चार प्रश्न पूछे जाएँगे, जिनमें से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर देने होंगे। प्रत्येक प्रश्न के उत्तर की शब्द-सीमा 200-250 शब्द होगी। तृतीय खंड में 15-15 अंक के तीन दीर्घ उत्तरीय प्रश्न होंगे, इनमें से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर देने होंगे।

2x5= 10; 3x10=30; 2 x 15 = 30; कुल= 70

(i) सेशनल के लिए 30 अंक निर्धारित हैं।

पाठ्य पुस्तकें

परसाई रचनावली भाग : 1-6 - हरिशंकर परसाई

हम एक उम्र से वाकिफ़ हैं - हरिशंकर परसाई

सहायक पुस्तकें

देश के इस दौर में : विश्वनाथ त्रिपाठी

हरिशंकर परसाई : विश्वनाथ त्रिपाठी

आँखिन देखी : कमला प्रसाद

तुम्हारा परसाई : कांतिकुमार जैन

परसाई का रचना-संसार : मालम सिंह

हरिशंकर परसाई : व्यंग्य की व्याप्ति और गहराई : वेद प्रकाश

पत्रिकाओं के विशेषांक

साम्य, सं. विजय गुप्त, अंक जुलाई, 1990

वसुधा, सं. कमला प्रसाद, अंक जून, 1998

व्यंग्य-यात्रा, सं. प्रेम जनमेजय, अंक जनवरी से जून, 2012

CBCS-19

Dated : 17.01.19

एम.ए. हिंदी चतुर्थ सेमेस्टर
षष्ठ प्रश्नपत्र (वैकल्पिक)
उपन्यासकार राही मासूम रज़ा
कोड : HNM-4016

क्रेडिट-04 **पूर्णांक-100**
Sessionals : 30
End-Sem. Exam. of 2:30 hours duration : 70

इकाई-1

1.1 स्वातंत्र्योत्तर हिंदी उपन्यास का परिदृश्य

1.2 राही मासूम रज़ा के उपन्यासों का परिचय

1.3 'आधा गाँव' का आलोचनात्मक अध्ययन : भारत-विभाजन, सांस्कृतिक राष्ट्रवाद, सामासिक संस्कृति

1.4 'आधा गाँव' की भाषा

1.5 'आधा गाँव' उपन्यास का वैशिष्ट्य

इकाई-2

2.1 हिंदी के परिसर-उपन्यास (कैंपस नॉवेल) और 'टोपी शुक्ला'

2.2 टोपी शुक्ला : प्रमुख संवेदना-बिंदु और शिल्प

2.3 चरित्र-प्रधान उपन्यास के रूप में 'टोपी शुक्ला'

2.4 हिम्मत जौनपुरी : मुस्लिम समाज की आंतरिक समस्याएँ, 'हिंदुस्तानियत' की तलाश, स्वप्न और संघर्ष, अस्मिता का प्रश्न

2.5 'हिम्मत जौनपुरी' में व्यंग्य और भाषा का स्वरूप

इकाई - 3

3.1 'दिल एक सादा कागज़' का आलोचनात्मक अध्ययन : धर्म-आधारित राष्ट्र का विरोध, विस्थापन की समस्याएँ

3.2 कटरा बी आर्ज़ू : राजनीतिक विसंगतियाँ, मोहभंग, आपातकाल का संदर्भ, तानाशाही का विरोध

3.3 राही मासूम रज़ा का वैचारिक दृष्टिकोण

3.4 राही मासूम रज़ा की उपन्यास-कला

नोट : (i) इस प्रश्नपत्र में तीन खंड होंगे। प्रथम खंड में 05-05 अंक के चार लघूत्तरीय प्रश्न होंगे, जिनमें से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर देने होंगे। प्रत्येक प्रश्न के उत्तर की शब्द-सीमा 100-150 शब्द होगी। द्वितीय खंड में 10-10 अंक के चार प्रश्न पूछे जाएँगे, जिनमें से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर देने होंगे। प्रत्येक प्रश्न के उत्तर की शब्द-सीमा 200-250 शब्द होगी। तृतीय खंड में 15-15 अंक के तीन दीर्घ उत्तरीय प्रश्न होंगे, इनमें से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर देने होंगे।

2x5= 10; 3x10=30; 2 x 15 = 30; कुल= 70

(i) सेशनल के लिए 30 अंक निर्धारित हैं।

CBCS-19

Dated : 17.01.19

पाठ्य पुस्तकें

आधा गाँव : राही मासूम रज़ा

टोपी शुक्ला : राही मासूम रज़ा

हिम्मत जौनपुरी : राही मासूम रज़ा

दिल एक सादा काग़ज़ : राही मासूम रज़ा

कटरा बी आर्ज़ू : राही मासूम रज़ा

सहायक पुस्तकें

राही मासूम रज़ा : कुँवरपाल सिंह

लगता है बेकार गये हम : राही मासूम रज़ा

खुदा हाफ़िज़ कहने का मोड़ : राही मासूम रज़ा

सिनेमा और संस्कृति : राही मासूम रज़ा

हिंदी उपन्यासों का विकास : रामचंद्र तिवारी

हिंदी उपन्यास का इतिहास : गोपाल राय

भारतीय मुसलमान : हिंदी उपन्यास के आईने में : नामदेव

भारत-विभाजन की अंतःकथा : प्रियवंद

सांप्रदायिक राजनीति : तथ्य और मिथक : (अनु. रामकिशन गुप्ता) : राम पुनियानी

राही का रचना-संसार : सं. कुँवरपाल सिंह

भारत-विभाजन की हक़ीकत और कथा-संदर्भ : मेराज अहमद

राही मासूम रज़ा और बदीउज़्ज़मा (मूल्यांकन के विविध आयाम) : डा. एम. फिरोज़ अहमद

CBCS-19

Dated : 17.01.19